
Shri Alakharamacharya Ashtakam

श्रीअलखरामाचार्याष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Alakharamacharya Ashtakam

File name : alakharAmAchAryASHTakam.itx

Category : deities_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 8, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Alakharamacharya Ashtakam

श्रीअलपरामाचार्याष्टकम्



भृङ्गं भक्तिरसासक्तं रामस्य पादपद्मयोः ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

रामयन्द्रयकोरं य रामप्रीत्यम्बुयातकम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

रामानन्दोपदेशाब्धिवर्धकं विधुमुत्तमम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

मन्त्रराजप्रदं प्राज्ञं ब्रह्मविधाविशारदम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

योग्यतापादकं पुसां भक्तौ संस्कारपञ्चकात् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

वादिनां य विजैतारमानन्दभाष्यवेदिनम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥


वैष्णवधर्मरक्षायां दीक्षितं रामभक्तिदम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

श्रीरामाराधनासक्तं रामकीर्तनकारकम् ।
नमाम्यलपरामार्यं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

एति श्रीअलपरामाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

